किताब

रितिका*

ज्ञान का संचित कोष
किसी का संचित अनुभव हूँ।
अंधकार में रोशनी की किरण
अनगिनत कल्पनाओं का भंडार हूँ।

किसी का एहसास
तो किसी की लिखावट समेटे हूँ।
किसी की खुशबू
तो किसी का सम्मान हूँ।

सफलता का मार्ग
तुम्हारी सच्ची मित्र हूँ।
रहस्यों का भंडार
बच्चों का संसार हूँ।

बच्चों का प्रथम ज्ञान
जीवन का उपहार हूँ।
देती सबको ज्ञान
शिक्षा का आधार हूँ।

© NCERT not to be republished

* *कनिष्ठ परियोजना सहायक,* प्रारंभिक शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नयी दिल्ली